तापमान
अधिकतम 35.6°C
न्यूनतम 22.8°C

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, शनिवार 13 जून 2026

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे
- तेजराम आश्रम की भागवत कथा में बाल लीला एवं गोवर्धन पूजा का आयोजन
- निगम कमिश्नर सुबह 11 बजे करेंगे अधिकारियों के साथ बैठक

खबर संक्षेप

272 ग्राम हेरोइन के साथ युवक गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 272 ग्राम हेरोइन के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता मनीष कुमार ने बताया कि सहायक उपनिरीक्षक संदीप के नेतृत्व में एएनसी स्टाफ की टीम वाल्मीकि चौक के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि करतारपुरा निवासी एक युवक नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बांगड़ सिनेमा पुल के नीचे सार्वजनिक शौचालय के पास संदिग्ध युवक को काबू कर लिया। पूछताछ में उसकी पहचान राकेश पुत्र रामप्रसाद निवासी करतारपुरा के रूप में हुई। नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 272 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। थाना शहर में केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

साइबर ठगों ने दो से की 1.71 लाख की धोखाधड़ी

रोहतक। जिले में साइबर ठगी के दो अलग-अलग मामलों में अज्ञात ठगों ने एक कारोबारी और एक अधिवक्ता से कुल 1 लाख 71 हजार 999 रुपये ठग लिए। लाखन माजरा थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव खरक जाटान निवासी जगबीर सिंह ने बताया कि उसकी बिल्डिंग मटेरियल की दुकान है। ठगों ने सरकारी काम के नाम पर सामान मंगवाया और भुगतान के बहाने स्कैनर लिंक भेज दिया। लिंक पर क्लिक करते ही उसके खाते से 76,999 रुपये निकल गए। दूसरी ओर सेक्टर-34 सनसिटी निवासी अधिवक्ता परवीन ने शिकायत दी कि मनाली यात्रा के दौरान मोबाइल पर संदिग्ध पॉप-अप आने के बाद उसके फोन में सॉफ्टवेयर डाउनलोड हो गया। इसके बाद उसके खाते से 95,000 रुपये निकाल लिए गए। पुलिस ने दोनों मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जेएलएन नहर में मिला अज्ञात युवती का शव

रोहतक। गांव मयाना के पास स्थित जेएलएन नहर में एक अज्ञात युवती का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। नहर में शव तैरता देख स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस और एफएसएल टीम इंचार्ज डॉ. सरोज दहिया मौके पर पहुंचीं और शव को बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। प्रारंभिक जांच में युवती की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ कर रही है तथा गुमशुदगी के रिकॉर्ड भी खंगाल रही है। शव को पोस्टमार्टम और पहचान प्रक्रिया के लिए पीजीआईएमएस रोहतक के शव गृह में रखवाया गया है। पुलिस पड़ोसी जिलों के थाना क्षेत्रों से भी संपर्क कर रही है ताकि युवती की पहचान की जा सके। फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

डी-पार्क अग्निकांड पर एकजुट हुए व्यापारी और विपक्षी दल

मृतकों के परिजनों के लिए सरकारी नौकरी, मुआवजा राशि बढ़ाकर 50 लाख रुपये करने और व्यापारियों को पूर्ण राहत देने की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

डी-पार्क स्थित मॉडल टाउन मार्केट में हुए भीषण अग्निकांड के बाद शोक व आक्रोश के बीच व्यापारिक संगठनों, विपक्षी दलों और संस्थाओं ने पीड़ित परिवारों के लिए बढ़ी राहत, सरकारी नौकरी और व्यापारियों के नुकसान की भरपाई की मांग तेज कर दी है। हादसे में शोरूम संचालक सोम खुराना के पुत्र सौरव खुराना, कर्मचारी कपिल और अमन यादव की मौत हो गई थी, जबकि दस दुकानें जलकर राख हो गई थीं। राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गुलशन डंग ने इस हादसे को प्रदेश के व्यापारिक इतिहास की सबसे दर्दनाक घटनाओं में से एक बताते हुए कहा कि मृतकों के परिवारों के लिए घोषित 10-10 लाख की सहायता राशि पर्याप्त नहीं है। उन्होंने सरकार से मुआवजा बढ़ाने व परिवार के 1 सदस्य को नौकरी देने की मांग की। इनेलो प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने भी मृतकों के परिवारों से मुलाकात कर कहा कि रोहतक की जनसंख्या के हिसाब न तो पर्याप्त फायर ब्रिगेड गाड़ियां हैं और न स्टाफ। यदि सरकार ने समय रहते व्यवस्थाएं मजबूत की होतीं तो ये त्रासदी नहीं होती।

हुड्डा के आरोप, प्रदेश में आधे फायरमैन पद खाली

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने घटनास्थल का दौरा कर पीड़ित परिवारों और व्यापारियों से मुलाकात की। उनके साथ विधायक भारत भूषण बतरा, पूर्व मंत्री सुभाष बतरा और पूर्व विधायक आनंद सिंह दांगी भी मौजूद रहे। हुड्डा ने कहा कि सरकार द्वारा घोषित मुआवजा नाकाफी है और प्रभावित परिवारों को पूरा मुआवजा तथा एक-एक सरकारी नौकरी दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में करीब 50 प्रतिशत फायरमैन के पद खाली पड़े हैं और दमकल विभाग संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। उन्होंने शहर के भीतर एक अतिरिक्त फायर स्टेशन स्थापित करने की मांग भी उठाई।

घटनास्थल का दौरा करते पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, विधायक भारत भूषण बतरा, पूर्व मंत्री सुभाष बतरा व पूर्व विधायक आनंद सिंह दांगी ।

11 सदस्यीय सहायता समिति गठित करने का निर्णय

हरियाणा व्यापार मंडल भी प्रभावित व्यापारियों की सहायता के लिए आगे आया है। प्रदेश अध्यक्ष विजय लक्ष्मी चंद गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित आपात बैठक में 11 सदस्यीय सहायता समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। समिति में शहर के प्रमुख व्यापारी और समाजसेवी शामिल होंगे, जो प्रभावित परिवारों और व्यापारियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाएंगे। व्यापार मंडल ने सहायता राशि के लिए न्यूनतम 1100 रुपये का योगदान तय किया है, जबकि अधिकतम सीमा नहीं रखी गई। एकत्रित धनराशि को पूरी पारदर्शिता के साथ पीड़ित परिवारों तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर विशेष राहत पैकेज और उचित मुआवजे की मांग भी की गई है।

विधानसभा उपाध्यक्ष ने पीड़ित परिवारों को दी सांत्वना

रोहतक। डी-पार्क स्थित बाजार में गत 9 जून को हुए भीषण अग्निकांड में जान गंवाने वाले तीन युवकों के परिजनों से मिलने के लिए शुक्रवार को हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा पहुंचे। उन्होंने हादसे को अत्यंत दर्दनाक और दिल दहला देने वाला बताते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा अपने स्वैच्छिक कोष से प्रत्येक पीड़ित परिवार को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। डॉ. मिड्ढा व पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर के साथ गुरुनानकपुरा, बाबरा मोहल्ला और नेहरू कॉलोनी स्थित मृतकों सौरभ, अमन और कपिल के घर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि इस कठिन समय में पूरा समाज और सरकार उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार के लिए अपने युवा सदस्य को खोना अपूरणीय क्षति है।

विधानसभा उपाध्यक्ष ने डी-पार्क पहुंचकर आग से प्रभावित दुकानों का निरीक्षण किया और दुकानदारों से मुलाकात कर नुकसान की जानकारी ली। उन्होंने दुकानदारों से अपील की कि वे बाजारों में सुरक्षा मानकों का पालन करें तथा प्रशासन द्वारा निर्धारित सीमा रेखा का सम्मान करें। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए प्रत्येक दुकान में अग्निशमन यंत्र होना आवश्यक है। उन्होंने जिला प्रशासन और अग्निशमन विभाग की कार्यप्रणाली की सराहना की। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष रणवीर सिंह ढाका, एसडीएम आशीष कुमार, तहसीलदार यशपाल शर्मा, पार्षद कपिल नागपाल, हर्षित मिगलानी सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

पानी के लिए मारामारी, टैंकरों के आगे लगीं कतारें

सांपला। कस्बे में पिछले करीब दस दिनों से पेयजल संकट गहराने के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पानी की किल्लत के चलते लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। हालात ऐसे हैं कि पीने के पानी के लिए लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है, जबकि कई परिवार पानी खरीदकर अपनी जरूरत पूरी कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार जलघर के तालाब पूरी तरह सूख चुके हैं। ऐसे में पब्लिक हेल्थ विभाग द्वारा ट्यूबवेल के माध्यम से पानी की सप्लाई दी जा रही है, लेकिन शहर में नियमित रूप से पानी नहीं पहुंच पा रहा। अनियमित सप्लाई के कारण लोगों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। स्थानीय निवासी रोशनी, बबीता, मंजू और संतोष ने बताया कि घरों में पानी नहीं आने के कारण उन्हें मजबूरन खरीदकर पानी पीना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि रोजमर्रा के कामकाज भी प्रभावित हो रहे हैं और सबसे अधिक परेशानी महिलाओं को उठानी पड़ रही है।

टैंकर पहुंचते ही दौड़ पड़ते हैं बर्तन लेकर

कस्बे में पानी की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जैसे ही पानी का टैंकर पहुंचता है, लोग बर्तन और मटके लेकर दौड़ पड़ते हैं। कई बार पहले पानी भरने को लेकर महिलाओं के बीच विवाद की स्थिति भी बन जाती है। पब्लिक हेल्थ विभाग के एसडीओ अनिल कुमार ने बताया कि नहर में समय पर पानी नहीं आने के कारण जलघर के तालाबों का पानी समाप्त हो गया है। विभाग द्वारा ट्यूबवेलों के माध्यम से नियमित सप्लाई देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि पानी का सदुपयोग करें और इसे व्यर्थ न बहाएं, ताकि उपलब्ध संसाधनों से अधिक से अधिक लोगों तक पानी पहुंचाया जा सके।

आज दोपहर तक बिजली का शट डाउन, रहें तैयार

▶▶| सुबह से दोपहर तक अलग-अलग क्षेत्रों में रहेगा शटडाउन, जलापूर्ति व कारोबार पर भी पड़ेगा असर, 17 कॉलोनियों के हजारों उपभोक्ता होंगे प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भीषण गर्मी के बीच शनिवार को शहर की 17 कॉलोनियों और प्रमुख क्षेत्रों के हजारों उपभोक्ताओं को बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा। बिजली निगम द्वारा निर्धारित मरम्मत एवं रखरखाव कार्य के चलते विभिन्न फीडरों की आपूर्ति कुछ घंटों के लिए बंद रखी जाएगी। बिजली आपूर्ति बाधित रहने से लोगों को गर्मी के साथ-साथ पानी की किल्लत का भी सामना करना पड़ सकता है। वहीं बाजार क्षेत्रों में कारोबार पर भी असर पड़ने की संभावना है। बिजली निगम के अनुसार शहर के अलग-अलग इलाकों में निर्धारित समय के अनुसार शटडाउन लिया जाएगा। सुबह के समय बिजली बंद रहने से घरों में मोटर नहीं चल पाएंगी, जिसके कारण पानी का संग्रह नहीं कर पाने वाले परिवारों को परेशानी उठानी पड़ सकती है। इसके अलावा इनवर्टर और बैटरी बैकअप खत्म होने के बाद लोगों को गर्मी से भी जूझना पड़ेगा।

ये रहेगा शेड्यूल

- ▶▶| सुबह 7 से 9:30 बजे तक सीआर रोड, गुरुद्वारा क्षेत्र, मॉडल टाउन, भरत कॉलोनी और चाणक्यपुरी में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।
- ▶▶| सुबह 7 बजे से 11 बजे तक शिवाजी कॉलोनी, टेक नगर, चावला कॉलोनी, काठ मंडी और कमला नगर में शटडाउन रहेगा।
- ▶▶| सुबह 8 बजे से 11 बजे तक देव कॉलोनी के उपभोक्ताओं को बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा।
- ▶▶| सुबह 8:30 बजे से दोपहर 11 बजे तक ग्रीन रोड, हरि नगर, शक्ति नगर, शास्त्री नगर, जिला विकास भवन, कैनाल रेस्ट हाउस तथा आर्य नगर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।

घरों के साथ बाजारों में भी होगी परेशानी

बिजली कटौती का असर केवल घरेलू उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं रहेगा। जिन क्षेत्रों में बाजार और व्यावसायिक प्रतिष्ठान स्थित हैं, वहां दुकानदारों को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। कंप्यूटर आधारित कार्य, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग और छोटे उद्योगों का संचालन प्रभावित होने की संभावना है। वहीं पेयजल आपूर्ति से जुड़े पंप भी प्रभावित हो सकते हैं, जिससे कुछ क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता पर असर पड़ सकता है। स्थानीय लोगों ने बिजली निगम से मरम्मत कार्य समय पर पूरा कर जल्द आपूर्ति बहाल करने की मांग की है।

शहर में अवैध होर्डिंग और पोस्टर लगाने पर ठोका 15 लाख से अधिक का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर की सुंदरता और स्वच्छता बनाए रखने के लिए नगर निगम ने अवैध होर्डिंग्स, फ्लैक्स और पोस्टर लगाने वालों के खिलाफ सख्त अभियान छेड़ रखा है। नगर निगम आयुक्त नरेन्द्र कुमार ने बताया कि निगम क्षेत्र में बिना अनुमति लगाए जा रहे विज्ञापन सामग्री पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जून 2026 के दौरान अब तक 27 लोगों के चालान किए जा चुके हैं, जिन पर 15 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। आयुक्त ने कहा कि नगर निगम द्वारा पहले भी नागरिकों, संस्थाओं और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से अपील की गई थी कि वे बिना अनुमति के होर्डिंग्स, फ्लैक्स और पोस्टर न लगाएं। इसके बावजूद नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। अवैध रूप से विज्ञापन सामग्री लगाने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ हरियाणा प्रीवेन्शन ऑफ डिफेसमेंट ऑफ प्रोपर्टी एक्ट, 1989 तथा विज्ञापन नीति के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

स्वीकृति के बाद तय जगह फ्लेक्स लगाने की अनुमति

निगम क्षेत्र में केवल नगर निगम की पूर्व स्वीकृति प्राप्त करने के बाद ही निर्धारित और चिन्हित स्थलों पर होर्डिंग्स या फ्लैक्स लगाने की अनुमति है। इसके अलावा यदि निगम को किसी अवैध विज्ञापन सामग्री को हटाने के लिए संसाधन लगाने पड़ते हैं, तो उस पर आने वाला पूरा खर्च भी संबंधित व्यक्ति या संस्था से वसूला जाएगा।

समय पर जुर्माना नहीं भरा तो होगी एफआईआर

जो लोग निर्धारित समयावधि में जुर्माना जमा नहीं करवाएंगे, उनके खिलाफ

एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। अवैध होर्डिंग्स और पोस्टरों से गंदगी फैलाने वालों से सफाई कार्य भी करवाया जाएगा। रोहतक हम सभी का शहर है और इसे स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। नागरिक नियमों का पालन करें और बिना अनुमति किसी भी प्रकार के विज्ञापन, पोस्टर या फ्लैक्स सार्वजनिक स्थलों पर लगाने से बचें।

अतिथि अध्यापिका सुलेखा दलाल का निलंबन वापस, सेवाएं बहाल

रोहतक। रैनकपुरा स्थित राजकीय मिडिल स्कूल में कार्यरत पीआरटी (जेबीटी) अतिथि अध्यापिका सुलेखा दलाल का निलंबन शिक्षा विभाग ने वापस ले लिया है। विभाग द्वारा सेवाएं बहाल किए जाने के बाद कर्मचारी संगठनों में खुशी की लहर है। बता दें कि कुछ दिन पहले ही शिक्षा विभाग ने एक आदेश जारी कर सुलेखा दलाल को निलंबित कर दिया था। हालांकि, विभाग द्वारा जारी पत्र में निलंबन का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया था, लेकिन चर्चा थी कि विभागीय अनुमति के बिना 6 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में शामिल होने के चलते यह कार्रवाई की गई थी। प्रदर्शन के ठीक बाद विभाग की ओर से उनसे फोन पर स्पष्टीकरण भी मांगा गया था। बिना किसी ठोस और स्पष्ट कारण के की गई इस एकतरफा कार्रवाई के खिलाफ सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने मोर्चा खोल दिया था। संघ ने विभाग की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए इसे लोकतंत्र और कर्मचारी अधिकारों पर हमला बताया था और निलंबन आदेश को तुरंत रद्द करने की मांग उठाई थी। शिक्षा विभाग ने निलंबन आदेश वापस लेते हुए सुलेखा दलाल को सेवा में बहाल कर दिया। मूल रूप से बहादुरगढ़ के मेहंदीपुर डाबौदा गांव की रहने वाली सुलेखा दलाल पिछले लगभग आठ वर्षों से रोहतक के राजकीय मिडिल स्कूल रैनकपुरा में अतिथि अध्यापिका के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं।

पुलिस सुरक्षा के बीच हुई जिला परिषद की बैठक

अफसरों पर अनदेखी के आरोप प्रशासन को दे दी मौन श्रद्धांजलि

■ कई पार्षदों ने चेयरपर्सन मंजू हुड्डा को सौंपे अपने वार्ड के काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शुक्रवार को विकास भवन में आयोजित जिला परिषद की बैठक उस समय चर्चा का केंद्र बन गई जब पार्षदों ने अधिकारियों की कार्यशैली से नाराज होकर प्रतीकात्मक रूप से मौन श्रद्धांजलि देकर अपना विरोध दर्ज कराया। करीब ढाई घंटे चली इस बैठक में पार्षदों ने आरोप लगाया कि हाउस में पास किए गए एजेंडों पर प्रशासनिक अमल नहीं हो रहा है और फोन कॉल तक का जवाब नहीं दिया जाता। पार्षदों का कहना था कि जब जनप्रतिनिधियों के काम ही नहीं हो रहे तो ऐसे अधिकारियों को बैठक में बुलाने का औचित्य भी समाप्त हो जाता है। एक पार्षद ने यहां तक कहा कि जिला परिषद अपने काम खुद करने में सक्षम है, इसलिए प्रशासन की भूमिका केवल औपचारिक रह गई है।

मीटिंग में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। विकास भवन के मुख्य गेट से लेकर मीटिंग हॉल तक पुलिस बल तैनात रहा। यह एहतियात 12 मार्च की पिछली बैठक में हुए विवाद को देखते हुए लिया गया था। हालांकि इस बार दोनों नेताओं की अनुपस्थिति के कारण बैठक शांतिपूर्वक संपन्न हो गई। अधिकारियों ने पार्षदों से विकास कार्यों में सहयोग और योजनाओं के क्रियान्वयन में समन्वय बनाए रखने की अपील की।

बजट उपयोग, विकास कार्यों और योजनाओं पर हुई विस्तृत चर्चा

जिला परिषद की बैठक में विकास कार्यों, बजट उपयोग और आगामी योजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत पिछली कार्यवाही की पुष्टि से हुई। इसके बाद वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक विभिन्न विकास कार्यों पर हुए खर्च और उपलब्ध बजट का ब्यौरा सदन के समक्ष रखा गया। अधिकारियों ने एसएफसी, एफएफसी और स्टांप ड्यूटी मद से प्राप्त धनराशि तथा उसके उपयोग की जानकारी दी। पिछले पांच वर्षों में विभागीय प्रक्रिया और ई-टेंडरिंग के माध्यम से कराए गए विकास कार्यों का वार्डवार विवरण भी प्रस्तुत किया गया। लंबित परियोजनाओं और उनके पूरा न होने के कारणों पर भी चर्चा हुई। सदन ने वर्ष 2025-26 की जिला परिषद विकास योजना को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की तथा वर्ष 2026-27 की योजना के लिए पार्षदों से प्रस्ताव मांगे गए। बैठक की अध्यक्षता चेयरपर्सन मंजू हुड्डा ने की। इस दौरान पार्षद अमित रांगी ने खेल स्टेडियम निर्माण में 46 हजार रुपये के उपयोग पर सवाल उठाए। पेयजल संकट, ठेकेदारों को भुगतान न होने और विकास कार्यों की धीमी गति को लेकर भी नाराजगी जताई। पार्षद मांगेराम ने तीन वर्षों से बिजली ट्रांसफर शिफ्टिंग का कार्य लंबित रहने का मुद्दा उठाया। वहीं सतपाल हुड्डा ने ड्रेनेज सफाई और सड़कों की जर्जर स्थिति को लेकर अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल किए।

एफआईआर के आदेश पर भी चर्चा

बैठक में गद्दी खेड़ी क्षेत्र में ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश की भी चर्चा हुई। साथ ही साढ़े तीन करोड़ रुपये के विकास कार्यों की स्वीकृति और पुराने बकाया कार्यों के निपटान की जानकारी दी गई। मीटिंग के दौरान पब्लिक हेल्थ, बिजली विभाग और वन विभाग से जुड़े मुद्दे भी जोर-शोर से उठे। भैणी सुरजन गांव में पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने, कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रहने और स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी पर पार्षदों ने चिंता व्यक्त की। लड़कियों के स्कूलों में शौचालय की अनुपलब्धता और पिछली बाढ़ में क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत न होने का मुद्दा भी प्रमुखता से सामने आया।

एमडीयू:विशेषज्ञों ने दिए तनाव कम करने व मानसिक संतुलन बनाए रखने के टिप्स

तनाव का सबसे बड़ा ट्रिगर ओवरथिंकिंग, 5 मिनट की सही आदतें बदल सकती हैं जिंदगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अलग खबर

क्या होगा? कैसे होगा? कहीं कुछ गलत न हो जाए? ऐसे सवाल यदि दिनभर आपके दिमाग में घूमते रहते हैं तो सावधान हो जाइए। विशेषज्ञों का कहना है कि आज के समय में तनाव की सबसे बड़ी वजह परिस्थितियां नहीं, बल्कि उनके बारे में जरूरत से ज्यादा सोचना यानी ओवरथिंकिंग है। यही आदत धीरे-धीरे चिंता, अनिद्रा, चिड़चिड़ापन और मानसिक थकान का कारण बन रही है।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) में विश्वविद्यालय कर्मियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में मनोविज्ञान विशेषज्ञों ने तनाव प्रबंधन पर चर्चा करते हुए कहा कि आधुनिक जीवन की भागदौड़ में लोग शारीरिक स्वास्थ्य पर तो ध्यान दे रहे हैं, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य को लगातार नजरअंदाज कर रहे हैं। परिणामस्वरूप तनाव अब केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और कार्यस्थल की बड़ी चुनौती बन चुका है।

बेतहर प्रदर्शन की होड़ भी वजह

कार्यालयों में बढ़ता दबाव और बेहतर प्रदर्शन की होड़ कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है। ऐसे में तनाव को कमजोरी नहीं, बल्कि एक वास्तविक स्वास्थ्य चुनौती मानकर समय रहते उसका समाधान तलाशना जरूरी है।

सकारात्मक दृष्टिकोण पहली शर्त

मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. अंजलि मलिक ने कहा कि बढ़ते कार्यभार, समयसीमा और प्रतिस्पर्धा के कारण लोग मानसिक दबाव महसूस कर रहे हैं। हालांकि तनाव का असली खतरा तब शुरू होता है जब व्यक्ति किसी समस्या के बारे में बार-बार सोचने लगता है। उन्होंने बताया कि लगातार तनाव में रहने से उच्च रक्तचाप, नींद की समस्या, चिंता और अवसाद जैसी स्थितियां विकसित हो सकती हैं। प्रो. दीप्ति हुड्डा ने कहा कि हर छोटी बात पर अत्यधिक विचार करना व्यक्ति को मानसिक रूप से कमजोर बना सकता है। कई बार समस्या से अधिक उसका डर और कल्पनाएं व्यक्ति को परेशान करती हैं। नकारात्मक सोच का यह चक्र तनाव को बढ़ाता है और कार्यक्षमता को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक दृष्टिकोण और संतुलित सोच तनाव से बचाव की पहली शर्त है।

ये हैं तीन मूल मंत्र

विशेषज्ञों ने तनाव कम करने के लिए "तीन मंत्र" भी बताए। पहला, वर्तमान में जीने की कला यानी माइंडफुलनेस अपनाएं। दूसरा, प्रतिदिन कुछ मिनट डीप ब्रीदिंग का अभ्यास करें। तीसरा, जिन बातों पर नियंत्रण नहीं है, उन्हें लेकर अनावश्यक चिंता न करें। उनके अनुसार मात्र पांच मिनट की गहरी सांस लेने की प्रक्रिया भी मन और शरीर को राहत देने में मददगार साबित हो सकती है।

जीवनशैली बदलें

विशेषज्ञों का स्पष्ट संदेश था कि तनाव का इलाज केवल दवाओं में नहीं, बल्कि सोच और जीवनशैली में बदलाव में छिपा है। यदि व्यक्ति ओवरथिंकिंग पर नियंत्रण कर ले, सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाए और रोजमर्रा की दिनचर्या में कुछ मिनट मानसिक स्वास्थ्य के लिए निकाले, तो तनाव को काफी हद तक मात दी जा सकती है। इस दौरान प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज के कोऑर्डिनेटर अशोक सचदेवा, असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर डॉ. नितिन सिवाच व विवि की शाखाओं के प्रभारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

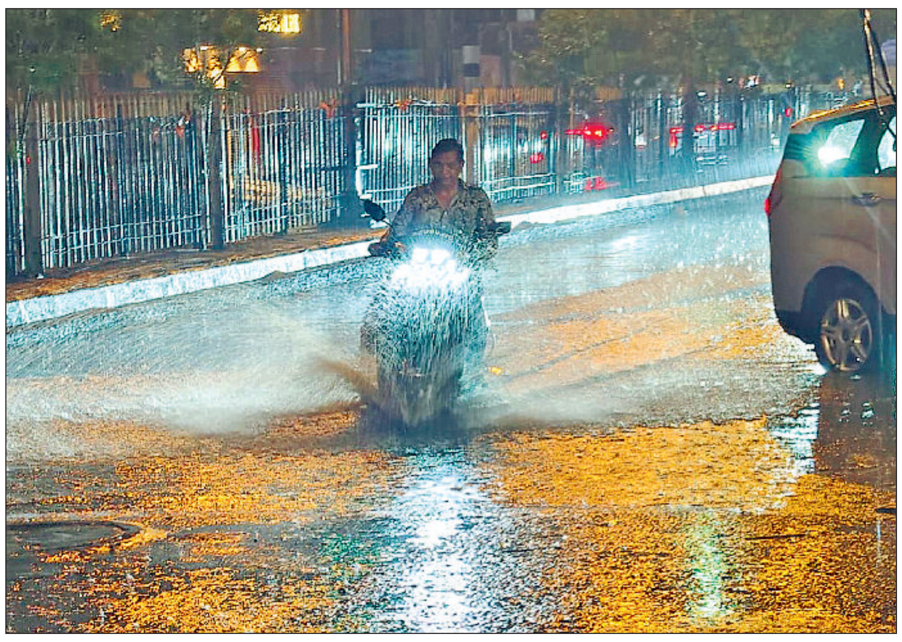
रोहतक। तेज बारिश में गुजरते वाहन। फोटो : हरिभूमि

देर रात तेज आंधी व बारिश, पेड़ों की टहनियां गिरी, कई घंटे बिजली गुल

बिजली गुल होने से लोगों को हुई भारी दिक्कतें

तापमान में गिरावट वातावरण में ठंडक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक और आसपास के क्षेत्रों में शुक्रवार देर रात आई तेज आंधी और बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया। पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और लू की मार झेल रहे लोगों को अचानक मौसम में आए इस बदलाव से बड़ी राहत मिली है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से चली तेज हवाओं और बारिश ने न केवल तापमान को नीचे ला दिया, बल्कि वातावरण में ठंडक भी घोल दी। देर रात शुरू हुई तेज हवाओं के साथ धूल भरी आंधी ने कुछ समय के लिए जनजीवन को प्रभावित कर दिया। तेज हवाओं के कारण शहर और आसपास के क्षेत्रों में कई पेड़ों की टहनियां टूटकर सड़कों पर गिर गईं। कुछ स्थानों पर अस्थायी ढांचों और होर्डिंग्स को भी नुकसान पहुंचने की सूचना मिली है। हालांकि किसी बड़े हादसे या जनहानि की खबर नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते प्रदेश के कई जिलों में मौसम ने करवट ली है। मौसम विभाग द्वारा जारी अल्पकालिक पूर्वानुमान में रोहतक सहित कई जिलों में तेज हवाओं, गरज-चमक और बारिश की संभावना जताई गई थी। विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी मौसम में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। बारिश का असर तापमान पर भी साफ दिखाई दिया। पिछले दिनों जहां लोग 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच रहे तापमान और लू से परेशान थे, वहीं अब पारे में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। किसानों ने भी इस बारिश का स्वागत किया है।

शहर के निचले इलाकों में बनी जलभराव की स्थिति

आंधी और बारिश का असर बिजली व्यवस्था पर भी पड़ा। शहर के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे लोगों को रातभर परेशानी झेलनी पड़ी। कई क्षेत्रों में घंटों तक बिजली गुल रही। सुबह तक बिजली निगम की टीमें फॉल्ट दूर करने और आपूर्ति बहाल करने में जुटी रहीं। बारिश के बाद शहर के कई निचले इलाकों और चौकों में जलभराव की स्थिति बन गई। कुछ प्रमुख मार्गों पर वाहनों की गति धीमी रही और लोगों को वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करना पड़ा।

गांव बहलबा की महिला से आठ मई को हुई पहली स्नैचिंग की घटना

महम की महिलाओं में चेन स्नेचर्स का खौफ एक महीने में तीन वारदातों को दिया अंजाम

बाइक पर आते हैं व गले से सोने का मंगलसूत्र या चेन तोड़कर फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ महम

महम शहर व आस पास के गांवों की महिलाओं में आजकल चेन स्नेचर्स का खौफ बना हुआ है। महिलाएं बाजार में, सड़कों और गलियों में बाहर निकलते हुए डरने लगी हैं। उन्हें डर है कि कहीं कोई चेन स्नेचर उनका मंगलसूत्र, चेन, कंठी, झुमका और बाली तोड़कर न भाग जाए। क्योंकि पिछले करीब एक महीने में महम शहर में चेन स्नेचिंग की तीन वारदात हो चुकी हैं। दो वारदातों में चेन स्नेचर्स महिलाओं के मंगलसूत्र तोड़ चुके हैं, जबकि एक वारदात में महिला के गले से सोने की चेन तोड़कर भाग गए थे। पहली वारदात 8 मई के आस पास की है, जिसमें बहलबा गांव की महिला के साथ यह वारदात हुई थी। दूसरी घटना 26 मई के आस पास की है, जिसमें किशनगढ़ गांव की एक महिला के साथ चेन स्नेचिंग की वारदात हुई। तीसरी घटना 11 जून की है, जिसमें भिवानी जिले के खरक गांव की महिला को निशाना बनाया गया।

एआई जेनरेटिड

बाजार से सामान खरीदकर घर लौट रही महिला की सोने की चेन छीनी

26 मई को किशनगढ़ गांव निवासी ज्योति पत्नी विरेंद्र ने महम शहर पुलिस चौकी में शिकायत दी थी। जिसमें बताया था कि वह अपना घरेलू सामान लेने के लिए अपनी जेठानी उषा पत्नी सुरेंद्र के साथ अपनी स्कूटी पर सवार होकर शाम 7 बजे महम के भिवानी स्टैंड पर आई थी। सामान लेकर वह अपनी जेठानी के साथ स्कूटी पर घर के लिए चल पड़ी। जब वे उपमंडल नागरिक अस्पताल महम की दीवार के आखरी छोर पर पहुंची तो एक मोटर साइकिल चालक पीछे से आया। बाइक सवार व्यक्ति ने हेलमेट पहना हुआ था। वह स्कूटी की साइड में आया। उसने उसके गले में सोने की चेन व लोकेट पर हाथ मारा। झपट्टा लगते ही सोने की चेन टूटकर उसके हाथ में आ गई। लेकिन सोने का लोकेट जिस पर श्याम बाबा का फोटो छपा हुआ है, वह चेन स्नेचर लेकर भाग गया। वह उसको पहचान नहीं पाई। अज्ञात मोटर साइकिल सवार का पता लगाकर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और उसका सोने का लोकेट उसे वापस दिलवाया जाए।

वार्ड 9 से बाजार में सामान खरीदने आई महिला का तोड़ा मंगलसूत्र

महम शहर चौकी में दी शिकायत में खरक गांव निवासी तमन्ना पत्नी रविंद्र ने बताया कि वह कई दिन से अपने मायके महम के वार्ड 9 के ढेर पाना में आई हुई थी। 11 जून को अपने ताऊ की लड़की पूजा पुत्री जयभगवान के साथ वह बाजार में खरीदारी करने जा रही थी। शाम को 7 बजकर 15 मिनट पर जब वे वार्ड 11 में पूर्ण पंजाबी के मकान के पास पहुंचे तो एक बाइक वाला सामने से आया और उसके पास आते ही उसके गले से उसका मंगलसूत्र झपट्टा मारकर तोड़कर भाग गया। उस लड़के ने हेलमेट पहना हुआ था और मुंह पर सफेद रुमाल बांधा हुआ था। जिस कारण वह उसका मुंह नहीं देख पाई।

बेटे को स्कूल से लेने आई महिला का मंगलसूत्र तोड़ा

8 मई को हुई वारदात में बहलबा गांव निवासी राजबाला पत्नी प्रदीप राठी ने शहर पुलिस चौकी में दी शिकायत में बताया था कि वह बहलबा बजाण गांव की रहने वाली है। वह एएनएम के पद पर कार्यरत है। वह शहर में अपने लड़के को लेने के लिए महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल में आई थी। करीब एक बजे जब वह टैक्सी स्टैंड वाली गली में पहुंची तो अचानक एक मोटर साइकिल सवार व्यक्ति ने उसके गले से सोने का मंगलसूत्र छीन लिया और वह मोटर साइकिल सहित फरार हो गया। उस मोटर साइकिल पर पीछे नंबर प्लेट नहीं थी। उसके शोर मचाया तो लोग इकट्ठा हो गए, लेकिन तब तक वह वहां से भाग चुका था।

ओमेक्स सिटी के पास नहर किनारे टहल रही महिला से झपटी चेन

बाइक सवार दो बदमाश वारदात को अंजाम देकर फरार, जांच जारी

रोहतक। शहर में चैन स्नैचिंग की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अब ओमेक्स सिटी के पास नहर किनारे सैर करने पहुंची एक महिला बदमाशों का शिकार बन गई। रात 10 बजे इस वारदात से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों में भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार एक महिला ओमेक्स सिटी के निकट नहर पर घूमने और टहलने के लिए पहुंची थी। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक वहां पहुंचे और महिला के पास आते ही उसके गले से सोने की चैन झपट ली। महिला कुछ समझ पाती, उससे पहले दोनों आरोपी तेज गति से बाइक लेकर मौके से फरार हो गए।

अचानक हुई इस घटना से महिला घबरा गई और शोर मचाया। आसपास मौजूद लोगों ने बदमाशों का पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन तब तक वे नजरों से ओझल हो चुके थे। बताया जा रहा है कि महिला ने अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं की है।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि बदमाश पहले से ही सुनसान स्थानों पर नजर रख रहे थे और मौका मिलते ही वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं, लोगों से सुनसान स्थानों पर सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई है।

15 जून से घर-घर पहुंचेगी चुनाव आयोग की टीम

मतदाता सूची में नाम जोड़ने-सुधारने का मिलेगा मौका

- अभियान में किया जाएगा मतदाताओं के नाम में सुधार, पता परिवर्तन व नए लोगों का पंजीकरण : एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ सांपला

यदि आप 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं, मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाना चाहते हैं या फिर अपने वोटर रिकॉर्ड में किसी प्रकार की त्रुटि को ठीक करवाना चाहते हैं, तो आपके लिए महत्वपूर्ण खबर है। निर्वाचन विभाग 15 जून से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू करने जा रहा है, जिसके तहत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। एसडीएम अंकिता पवार ने बताया कि अभियान के दौरान मतदाताओं के नाम में सुधार, पता परिवर्तन, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने और नए पात्र मतदाताओं का पंजीकरण किया जाएगा। इसके लिए निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित फॉर्म-6, फॉर्म-7 और फॉर्म-8 का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार वर्ष 2002 की मतदाता सूची में जिन मतदाताओं या उनके माता-पिता का नाम दर्ज है, उन्हें केवल गणना प्रपत्र भरकर जमा करना होगा। वहीं जिन नागरिकों अथवा उनके माता-पिता का नाम वर्ष 2002 की मतदाता सूची में उपलब्ध नहीं है, उन्हें अपनी पात्रता साबित करने के लिए आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। निर्धारित दस्तावेजों में पहचान पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, भूमि अथवा संपत्ति संबंधी अभिलेख सहित निर्वाचन आयोग द्वारा मान्य अन्य दस्तावेज शामिल हैं। प्रशासन ने नागरिकों से अभियान में सहयोग करने और बीएलओ को सही जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की है, ताकि मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाया जा सके।

चिड़ी में खेत से सोलर प्लेट का कंट्रोलर चोरी

लाखन माजरा। चिड़ी गांव में एक खेत से सोलर प्लेट का कंट्रोलर चोरी हो गया। पुलिस को दी शिकायत में चिड़ी गांव निवासी सुमित पुत्र कृष्ण ने बताया कि उसका खेत सांघी रोड पर है। उसके खेत में ऑसवाल कंपनी की सरकारी सोलर प्लेट लगी हुई है। कल शाम को वह अपने खेत में जीरी की पौध में पानी भरकर आया था। सुबह खेत में गया तो देखा कि वहां पर सोलर प्लेट का कंट्रोलर नहीं है। पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आईडीसी क्षेत्र की सड़कों की हालात जर्जर : पांडेय

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

लोक जन शक्ति पार्टी (रामविलास) के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पाण्डेय के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को उपायुक्त सचिन गुप्ता से मुलाकात कर आईडीसी एरिया की विभिन्न जनसमस्याओं को उनके समक्ष उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र में लंबे समय से बनी हुई बुनियादी सुविधाओं की कमी और अव्यवस्थाओं के संबंध में ज्ञापन भी सौंपा। ध्यान रहे कि आईडीसी एरिया में प्रवासी व्यक्ति ज्यादा रहते हैं।

वेद प्रकाश पांडेय ने उपायुक्त को बताया कि आईडीसी क्षेत्र की कई सड़कें जर्जर अवस्था में हैं, जिसके कारण वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में इन सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन जाती है, जिससे आवागमन प्रभावित होता है। प्रतिनिधिमंडल ने सीवर ओवरफ्लो की समस्या को भी गंभीर बताते हुए कहा कि कई स्थानों पर सीवर का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। इससे न केवल वातावरण प्रदूषित हो रहा है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है। इसके अलावा क्षेत्र की कई स्ट्रीट लाइटें खराब पड़ी हैं, जिसके कारण रात के समय सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ रही हैं। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश का आश्वासन दिया।

ये रहे मौजूद

रोहतक विधानसभा अध्यक्ष मिथलेश पांडेय, जिला सचिव अजित श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष सचिन सैनी, विधानसभा अध्यक्ष नवदीप पुनिया, कालानौर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप, रणजीत चौधरी, बबलू तथा अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीएलओ, सुपरवाइजर व बीएलए को दिया प्रशिक्षण

- 15 जून से 14 जुलाई तक पुनरीक्षण अभियान के तहत घर घर जाकर की जाएगी गणना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार शुक्रवार को आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों के बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ), सुपरवाइजरों तथा राजनीतिक दलों के बूथ स्तर एजेंट (बीएलए-1 एवं बीएलए-2) को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाना है। निर्वाचन तहसीलदार सरला कौशिक ने बताया कि 15 जून से 14 जुलाई 2026 तक विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत घर-घर जाकर गणना का कार्य किया जाएगा। इस दौरान मृत, स्थानांतरित तथा डुप्लीकेट मतदाताओं के नामों की पहचान कर सूची को शुद्ध किया जाएगा, ताकि केवल पात्र मतदाताओं का सही रिकॉर्ड सुनिश्चित हो सके।

1950 हेल्पलाइन नंबर किया जारी

तहसीलदार कौशिक ने बताया कि महम, गढ़ी-सांपला-किलोई, रोहतक और कलानौर (आरक्षित) विधानसभा क्षेत्रों के बीएलओ और सुपरवाइजरों को जिला विकास भवन में चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण दिया गया। वहीं महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर सभागार में राजनीतिक दलों के बीएलए-1 और बीएलए-2 को दो सत्रों में प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पुनरीक्षण प्रक्रिया, दावों एवं आपत्तियों के निस्तारण तथा उनकी जिम्मेदारियों की विस्तृत जानकारी दी गई। राज्य के बाहर से स्थानांतरित होकर आने वाले नागरिकों को मतदाता पंजीकरण के लिए प्रपत्र-6 के साथ अतिरिक्त घोषणा-पत्र जमा करना होगा। मतदाताओं की सुविधा के लिए निर्वाचन विभाग ने हेल्पलाइन नंबर 1950 को सक्रिय रखा है, जहां मतदाता सूची से संबंधित जानकारी और सहायता प्राप्त की जा सकती है।

दीवार के विवाद में महिला पर चाकू से हमला, तीन लोगों पर आरोप

सांपला। दीवार को लेकर चल रहा पारिवारिक विवाद गुरुवार देर शाम हिंसक झड़प में बदल गया। झगड़े के दौरान एक महिला पर कथित रूप से चाकू से हमला कर दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस को दिए बयान में वार्ड नंबर-14 निवासी सुनीता ने बताया कि उसके परिवार के कुछ लोगों के साथ दीवार को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। गुरुवार देर शाम इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते झगड़े में बदल गई। सुनीता का आरोप है कि झगड़े के दौरान एक महिला सहित तीन लोगों ने उसके साथ मारपीट की। आरोपियों ने उस पर चाकू से भी हमला किया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर घायल महिला के बयान दर्ज किए। वहीं, एफएसएल की टीम इंचार्ज डॉ. सरोज दहिया ने मौके पर पहुंचकर जांच की। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और जांच के आधार पर आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। वहीं, घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

रोहतक। मौके पर जांच करते पुलिस अधिकारी व एफएसएल टीम डॉ.सरोज दहिया।

बैठक संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम में प्रदूषण नियंत्रण मानकों के अनुपालन पर हुई चर्चा

पर्यावरण संरक्षण में उद्योगों ने मानकों की अनदेखी की तो होगी सख्त कार्रवाई : बलराज अहलावत

औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक

- जल प्रदूषण नियंत्रण, अपशिष्ट जल प्रबंधन तथा पर्यावरणीय मानकों के पालन से जुड़े विषयों पर किया विचार-विमर्श

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक। मीटिंग करते मुख्य पर्यावरण अभियंता एवं यमुना एक्शन प्लान के नोडल अधिकारी बलराज अहलावत। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा शुक्रवार को आयोजित उद्योग संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य पर्यावरण अभियंता एवं यमुना एक्शन प्लान के नोडल अधिकारी बलराज अहलावत ने उद्योगों से प्रदूषण नियंत्रण मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं तथा सतत विकास के लिए दोनों के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय अधिकारी दिनेश कुमार, विभिन्न औद्योगिक संघों के पदाधिकारी, उद्योग प्रतिनिधि और बोर्ड के अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान जल प्रदूषण नियंत्रण, अपशिष्ट जल प्रबंधन तथा पर्यावरणीय मानकों के पालन से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

उद्योग प्रतिनिधियों ने रखें सुझाव

कार्यक्रम में उद्योग प्रतिनिधियों ने भी अपने सुझाव रखे। भगवान ऑटोमैटिक्स, आईएमटी रोहतक के प्रतिनिधि अजय बंसल ने कहा कि बोर्ड के दिशा-निर्देश उद्योगों को पर्यावरणीय मानकों के बेहतर अनुपालन में मदद करेंगे। सांपला-बेरी औद्योगिक संघ के अध्यक्ष देवेंद्र अहलावत ने ऐसे संवाद कार्यक्रमों को उद्योगों और बोर्ड के बीच बेहतर समन्वय का माध्यम बताया। आईडीसी औद्योगिक संघ के अध्यक्ष कृष्ण खटोद ने कुटाना स्थित कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) के उन्नयन की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं उद्योग प्रतिनिधि पारस आहूजा ने घरेलू अपशिष्ट जल के सुरक्षित निस्तारण के लिए अलग पाइपलाइन व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम के अंत में उद्योग प्रतिनिधियों और बोर्ड अधिकारियों के बीच विस्तृत विचार-विमर्श हुआ।

⏭ कार्यक्रम में कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) के उन्नयन की आवश्यकता पर दिया कड़ा जोर

हर औद्योगिक इकाई में अपशिष्ट जल के पृथक संग्रहण एवं उपचार की व्यवस्था जरूरी: सीईई

बलराज अहलावत ने उद्योग प्रतिनिधियों को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के नवीनतम दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए बताया कि ग्रॉसली पॉल्यूटिंग इंडस्ट्रीज (जीपीआई) तथा मध्यम और बड़े उद्योगों के ईटीपी आउटलेट पर ऑनलाइन कंटीन्यूअस एफ्लुएंट मॉनिटरिंग सिस्टम (ओसीईएमएस) और आउटलेट मॉनिटरिंग डिवाइस (ओएमडी) स्थापित करना अनिवार्य किया गया है। इन प्रणालियों से अपशिष्ट जल की गुणवत्ता की लगातार निगरानी संभव होगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक औद्योगिक इकाई को व्यापारिक और घरेलू अपशिष्ट जल के पृथक संग्रहण एवं उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। किसी भी स्थिति में बिना उपचारित अपशिष्ट जल का निर्वहन स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि बोर्ड द्वारा समय-समय पर औचक निरीक्षण किए जाएंगे और नियमों के उल्लंघन पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

एमडीयू : यूजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 786 छात्रों ने दी परीक्षा, 15 जून को भी तीन सत्रों में होगा टेस्ट

कुलसचिव प्रो. बंसल ने केंद्रों का दौरा किया, 236 विद्यार्थी नहीं पहुंचे परीक्षा देने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत विभिन्न स्नातकीय (यूजी) पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा शुरू हो चुकी है। शुक्रवार को विश्वविद्यालय परिसर में बीसीए, बीए इकोनॉमिक्स तथा बीए लोक प्रशासन की प्रवेश परीक्षाएं पूरी तरह शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित की गईं। परीक्षाओं को शुचितापूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए थे। चार वर्षीय बीसीए पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा में कुल 567 अभ्यर्थी शामिल हुए, जबकि 139 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इसी तरह चार वर्षीय बीए इकोनॉमिक्स की प्रवेश परीक्षा में 86 अभ्यर्थियों ने भाग लिया और 48 परीक्षार्थी गैर-हाजिर रहे। वहीं, चार वर्षीय बीए लोक प्रशासन की प्रवेश परीक्षा में 133 अभ्यर्थी परीक्षा देने पहुंचे, जबकि 49 अभ्यर्थी अनुपस्थित दर्ज किए गए। प्रवेश परीक्षा के दौरान एमडीयू के कुलसचिव प्रो. संदीप बंसल ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा किया। उन्होंने परीक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लेते हुए ड्यूटी पर तैनात स्टाफ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उनके साथ ही परीक्षा नियंत्रक प्रो. राहुल ऋषि और चीफ कंसल्टेंट एग्जामिनेशन डॉ. महाबीर धनखड़ ने भी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व अन्य आवश्यक प्रबंधों को परखा। 15 जून को भी तीन अलग-अलग सत्रों में प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। इनमें सुबह 10 बजे से 11.15 बजे तक चार वर्षीय बीए अंग्रेजी की प्रवेश परीक्षा होगी। इसके बाद दोपहर 12.30 बजे से 1.45 बजे तक चार वर्षीय बीबीए (यूटीडी एंड एमडीयू-सीपास) और दोपहर बाद 3 बजे से 4.15 बजे तक चार वर्षीय बीएफए (पेंटिंग) पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रशासन ने आगामी परीक्षाओं को लेकर भी सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

रोहतक। परीक्षा केंद्र का दौरा करते एमडीयू के कुलसचिव प्रो. संदीप बंसल। फोटो :हरिभूमि

■ परीक्षा नियंत्रक प्रो. राहुल और चीफ कंसल्टेंट एग्जामिनेशन डॉ. महाबीर ने भी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

एसएफआई ने लगाया हेल्प डेस्क

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) में यूजी कोर्सेज की प्रवेश परीक्षा देने आ रहे बाहरी विद्यार्थियों की सुविधा के लिए एसएफआई यूनिट ने लगातार तीसरे दिन भी सहायता कैंप जारी रखा। एसएफआई नेता शुभम और रोहित ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी हेल्प डेस्क के माध्यम से विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने और उन्हें दिशा-निर्देश देने का कार्य किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में दाखिले के इच्छुक छात्र भी डेस्क पर आकर कैंपस के बारे में उत्सुकता से जानकारी ले रहे हैं। इस अभियान के तहत अब तक सैकड़ों छात्र-छात्राओं की मदद की जा चुकी है। इस दौरान मुख्य रूप से लक्ष्य, शुभम, रोहित, अंशुमान, दीप्ति, निखिल और अमित पिलाना सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एमडीयू में जीरो टॉलरेंस नीति लागू, यूजी कोर्स की प्रवेश परीक्षाओं के कारण नरमी बरती जा रही : तरुण

रोहतक। एमडीयू में चैकिंग करता सुरक्षा कर्मी। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (मदवि) प्रशासन ने कैंपस की सुरक्षा, गरिमा और अनुशासन को बनाए रखने के लिए बेहद कड़ा रुख अख्तियार किया है। विश्वविद्यालय परिसर का शैक्षणिक और शांतिपूर्ण माहौल बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों, हुड़दंगबाजों और बाहरी व्यक्तियों की अनधिकृत एंट्री पर अब पूरी तरह रोक लगा दी गई है। प्रशासन ने साफ किया है कि परिसर में किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मदवि के सुरक्षा नियंत्रक तरुण शर्मा ने बताया कि कुलपति के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में सुरक्षा को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति को कड़ाई से लागू कर दिया गया है। बिना वैध पहचान पत्र (आईडी कार्ड) और अधिकृत दस्तावेजों के किसी भी बाहरी व्यक्ति या वाहन को कैंपस के भीतर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सुरक्षा नियंत्रक ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय में अंडर ग्रेजुएट (यूजी) कोर्सेज की प्रवेश परीक्षाएं चल रही हैं। दूर-दराज से आने वाले परीक्षार्थियों के साथ उनके अभिभावक भी पहुंच रहे हैं, जिसे देखते हुए मानवीय आधार पर थोड़ी नरमी बरती जा रही है। हालांकि, परीक्षार्थियों को अनिवार्य रूप से वैध पहचान पत्र देखकर ही प्रवेश दिया जा रहा है। संदिग्ध और बाहरी व्यक्तियों की गतिविधियों पर विशेष नजर रखने के लिए सुरक्षाकर्मियों को मुस्तैद कर दिया गया है ताकि विश्वविद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था अभेद्य बनी रहे। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के बाद नीति पूरी तरह लागू कर दी जाएगी।

खबर संक्षेप

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर 4 बच्चों को बाल मजदूरी से करवाया मुक्त

रोहतक। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर रेलवे स्टेशन परिसर में बाल मजदूरी और मानव तस्करी के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन एमडीडी ऑफ इंडिया ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रेलवे पुलिस बल, मानव तस्करी रोधी इकाई (एएचटीयू), बाल कल्याण समिति और श्रम विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया। इस दौरान श्रम निरीक्षक धीरेश्वर सैनी, रेलवे पुलिस बल के एसएचओ रूपचंद मीना तथा एएचटीयू प्रभारी रवि मलिक ने प्रवासी श्रमिकों को बाल श्रम के दुष्परिणामों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि कहीं भी बाल मजदूरी या अकेला बच्चा दिखाई दे तो तुरंत संबंधित विभाग या हेल्पलाइन को सूचना दें। जागरूकता कार्यक्रम के बाद संयुक्त टीम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाकर 13 से 16 वर्ष आयु के चार बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया। ये बच्चे कार वॉशिंग, बाइक मरम्मत और जूस की दुकानों पर कार्य करते मिले। बच्चों को संरक्षण और पुनर्वास की प्रक्रिया के लिए संबंधित विभागों को सौंप दिया गया।

सरकार ने जारी किए निर्देश, संबंधित विभागों को जानकारी उपलब्ध कराने को कहा

सेवानिवृत्ति के बाद पुनर्नियुक्त और अनुबंधित कर्मियों का 15 तक दें ब्यौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा सरकार ने विभिन्न विभागों और हरियाणा सिविल सचिवालय में सेवानिवृत्ति के बाद पुनर्नियुक्त (री-एम्प्लॉयड) अथवा अनुबंध के आधार पर कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विस्तृत ब्यौरा तलब किया है। इस संबंध में मुख्य सचिव कार्यालय की स्थापना-2 शाखा की ओर से सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। ध्यान ये भी रहे कि लंबे समय से विश्वविद्यालयों में यह सवाल उठते रहे हैं कि यूनिवर्सिटी प्रशासन अपनी मर्जी से सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारियों की पुनर्नियुक्ति सरकार की अनुमति बिना ही कर देते हैं। विभिन्न विभागों में पुनर्नियुक्तियां किस आधार पर की जाती हैं और उनकी वास्तविक संख्या क्या है। ऐसे में सभी श्रेणियों के पुनर्नियुक्त और अनुबंधित कर्मचारियों का डाटा एकत्र होने से सरकार के पास एक केंद्रीकृत रिकॉर्ड उपलब्ध होगा। इससे भविष्य में कार्मिक नीतियों की समीक्षा, मानव संसाधन प्रबंधन व नियुक्तियों से जुड़ी प्रक्रियाओं में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने में मदद मिल सकती है। फिलहाल सरकार ने 15 जून तक संबंधित विभागों से यह जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

कर्मचारियों का रिकॉर्ड उपलब्ध करवाने के निर्देश

निर्देशों के तहत मुख्यमंत्री, मंत्रियों, राज्य मंत्रियों, मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिवों, प्रधान सचिवों, सचिवों, संयुक्त सचिवों, विशेष सचिवों तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यालयों में कार्यरत निजी सचिवों, व्यक्तिगत सहायकों, वरिष्ठ और कनिष्ठ स्टेनोग्राफरों तथा स्टेनो टाइपिस्टों से संबंधित जानकारी भी मांगी गई है। इसके अलावा हरियाणा सिविल सचिवालय स्थापना के नियंत्रणाधीन संयुक्त सचिवों, उप सचिवों, अवर सचिवों, अधीक्षकों और उप अधीक्षकों को भी अपने अधीन कार्यरत पुनर्नियुक्त और अनुबंधित कर्मचारियों का पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए गए हैं।

एआई जेनरेटेड

प्रशासनिक व्यवस्था भी मजबूत हो

सेवानिवृत्ति के बाद अधिकारियों और कर्मचारियों को पुनर्नियुक्ति देना उचित नहीं है। इससे नियमित सेवा में कार्यरत कर्मचारियों के अवसर प्रभावित होते हैं। साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी कम हो जाते हैं। यदि यूनिवर्सिटी में कर्मचारियों की कमी है तो सरकार को पुनर्नियुक्ति पर निर्भर रहने के बजाय नियमित भर्ती प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए, जिससे बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिल सके और प्रशासनिक व्यवस्था भी मजबूत हो।

-फूल कुमार बोहत
पूर्व प्रधान गैर शिक्षक कर्मचारी संघ

आवश्यक आंकड़े जुटाने की प्रक्रिया शुरू

मुख्य सचिव कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि यह सूचना स्थापना-2 शाखा को 15 जून 2026 को शाम 4 बजे तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध करानी होगी। समय सीमा के भीतर जानकारी उपलब्ध नहीं कराने की स्थिति में संबंधित अधिकारी स्वयं जिम्मेदार होंगे। प्रशासनिक हलकों में इस कदम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि सरकार सचिवालय और विभिन्न विभागों में सेवानिवृत्ति के बाद सेवाएं दे रहे कर्मचारियों का अद्यतन डाटा तैयार करना चाहती है, ताकि मानव संसाधन प्रबंधन और भविष्य की प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुरूप नीतिगत निर्णय लिए जा सकें। इस निर्देश के बाद सभी विभागों में आवश्यक आंकड़े जुटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

पीएम-उषा परियोजनाओं में पर्यावरण-अनुकूल इंफ्रास्ट्रक्चर को प्राथमिकता : कुलपति

रोहतक। विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा बैठक लेते कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में भविष्य के सभी निर्माण एवं नवीनीकरण कार्य ग्रीन, ऊर्जा-कुशल और पर्यावरण-अनुकूल अवसंरचना के मॉडल पर किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पीएम-उषा के अंतर्गत संचालित परियोजनाओं का उद्देश्य केवल आधारभूत सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि परिसर को आधुनिक, टिकाऊ और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता है। कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया यह बात शुक्रवार को प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-उषा) के अंतर्गत गठित बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। बैठक में विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की गई तथा शैक्षणिक एवं आधारभूत ढांचे को मजबूत करने से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। कुलपति ने निर्देश दिए कि पीएम-उषा के अंतर्गत प्रस्तावित नए निर्माण एवं नवीनीकरण कार्यों के लिए अनुदान राशि प्राप्त होने से पूर्व ही इंजीनियरिंग सेल आवश्यक प्रारंभिक तैयारियां पूरी रखे, ताकि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो। बैठक में गणित विभाग में स्थापित की जाने वाली प्रयोगशाला के लिए 25 उच्च क्षमता वाले कंप्यूटर, आवश्यक सॉफ्टवेयर आदि की खरीद को मंजूरी दी गई। वहीं, भूगोल विभाग के लिए ड्रोन और संबंधित सॉफ्टवेयर खरीदे जाने को स्वीकृति प्रदान की गई। कन्या छात्रावास में निर्माणाधीन कॉमन रूम के लिए आईटी उपकरणों की खरीद को भी हरी झंडी दी गई। पीएम-उषा अनुदान के तहत विश्वविद्यालय की 60 प्रयोगशालाओं के नवीनीकरण और आधुनिकीकरण को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने की जिम्मेदारी निदेशक, रूसा को सौंपी गई, ताकि निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूरे किए जा सकें। बैठक में निदेशक, रूसा प्रो. प्रदीप के. अहलावत ने पीएम-उषा के तहत अब तक संचालित परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट की बैठक में की गई अनुशंसाओं को बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के समक्ष रखा गया, जिन्हें मंजूरी प्रदान की गई। बैठक में डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एएस मान, कुलसचिव प्रो. संदीप बंसल, डीन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट प्रो. प्रमोद भारद्वाज, वित्त अधिकारी मुकेश भट्ट, गणित विभागाध्यक्ष प्रो. सुमित गिल तथा रूसा कार्यालय से डॉ. नीरज चौहान उपस्थित रहे।

माजरा गांव में गूंजी हरियाणवी रागनियां लोक संस्कृति संरक्षण का दिया संदेश

रोहतक। हरियाणा कला परिषद, कुरुक्षेत्र के सौजन्य से रोहतक के गांव माजरा में हरियाणवी लोक संस्कृति को समर्पित रागनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हरियाणा कला परिषद के वाइस चेयरमैन महेश जोशी तथा हरियाणा सरकार की बाल कल्याण समिति के सदस्य विकास अत्री ने रिबन काटकर किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और लोक कला की रंगारंग प्रस्तुतियों का आनंद उठाया। इस अवसर पर हरियाणा के जाने-माने कलाकार अरमान कुमार, दीप कुमार और नितिन कुमार ने अपनी प्रभावशाली रागनियों से श्रोताओं का मन मोह लिया। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक मुद्दों, नैतिक मूल्यों और पारिवारिक संस्कारों पर प्रकाश डाला। साथ ही हरियाणवी लोक संस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने तथा नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संदेश भी दिया। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों की प्रस्तुतियों को ग्रामीणों ने खूब सराहा। रागनियों में जहां मनोरंजन का रंग देखने को मिला, वहीं समाज को सकारात्मक दिशा देने वाले संदेश भी प्रमुखता से शामिल रहे।

विश्व रक्तदाता दिवस पर मेगा रक्तदान शिविर, 81 यूनिट रक्त हुआ संग्रहित

रोहतक। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर हम और आप सोशल वेलफेयर सोसायटी, सती भाई साई दास सेवा दल तथा इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, रोहतक के संयुक्त तत्वावधान में पंजाबी शिव धर्मशाला, गोहाना रोड पर मेगा रक्तदान शिविर एवं रक्त सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पूज्य बाबा कपिल पुरी के सानिध्य में संपन्न हुआ।कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी राजेश जैन ने की, जबकि हरियाणा राज्य रेडक्रॉस सोसायटी के उपाध्यक्ष अंकुश मिगलानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पीजीआईएमएस रोहतक और एम्स बाढ़सा ब्लड बैंक की टीमों के सहयोग से आयोजित शिविर में कुल 81 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। वक्ताओं ने रक्तदान को मानवता की सबसे बड़ी सेवा बताते हुए युवाओं से नियमित रक्तदान करने का आह्वान किया। इस अवसर पर रक्तदान और रक्त सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली संस्थाओं को "रक्तसेवक गौरव सम्मान" तथा 50 और 100 से अधिक बार रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को "रक्त गौरव सम्मान" से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान डी-पार्क अग्निकांड में दिवंगत अमन, सौरभ (रोहित) और कपिल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन भी रखा गया। मुख्य अतिथि अंकुश मिगलानी ने घोषणा की कि 30 सितंबर तक रोहतक में रेडक्रॉस के माध्यम से आधुनिक ब्लड बैंक शुरू किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवकों और सहयोगी संगठनों का विशेष योगदान रहा।

बच्चों के विकास को मिल रही नई उड़ान : सचिन गुप्ता

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि जिले में संचालित स्मार्ट आंगनबाड़ी अभियान बच्चों के प्रारंभिक विकास, पोषण और शिक्षा को नई दिशा दे रहा है। इस पहल के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मई माह के दौरान रोहतक शहरी ब्लॉक की 108 और कलानौर ब्लॉक की सभी 110 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) तथा स्मार्ट आंगनबाड़ी गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में बच्चों के बौद्धिक, सामाजिक और व्यवहारिक विकास से जुड़ी गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया।

न्यूज डायरी

बाबा मस्तनाथ विवि में प्रवेश के लिए उमड़ी भीड़

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय (अस्थल बोहर, रोहतक) में नए शैक्षणिक सत्र के दाखिलों को लेकर विद्यार्थियों और अभिभावकों में जबरदस्त उत्साह है। विश्वविद्यालय द्वारा छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा देने की अनूठी पहल ने हरियाणा और पड़ोसी राज्यों के लोगों का ध्यान खींचा है, जिससे छात्राओं के प्रवेश में भारी उछाल आया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी.एम. यादव ने बताया कि कुलाधिपति महंत बालकनाथ योगी की प्रेरणा से यह निर्णय लिया गया है, ताकि आर्थिक तंगी के कारण कोई भी बेटी उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। यह कदम बेटियों को आत्मनिर्भर और शिक्षित बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। विश्वविद्यालय में चिकित्सा, आयुर्वेद, नर्सिंग, फार्मेसी, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, कानून और कंप्यूटर शिक्षा सहित स्नातक, स्नातकोत्तर व पीएच.डी. स्तर के कई रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शुरू किए गए चार वर्षीय एकीकृत बीए-बी.एड. कोर्स को लेकर भी विद्यार्थियों में भारी क्रेज देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय कन्या चरित्र निर्माण एवं योग शिविर युवा संकल्प एवं सम्मान समारोह मनाया

रोहतक। स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ आश्रम, टिटोली में सार्वदेशिक आर्य युवती परिषद एवं युवा निर्माण अभियान के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय कन्या चरित्र निर्माण एवं योग शिविर का शुक्रवार को भव्य समापन हुआ। समापन अवसर पर शिविरार्थियों द्वारा लाठी, तलवार, जूडो-कराटे, योगासन एवं सर्वांगसुंदर व्यायाम का आकर्षक प्रदर्शन किया गया, जिसकी उपस्थित जनसमूह ने सराहना की। इसके उपरांत युवा संकल्प एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता स्वामी आर्यवेश ने की, जबकि आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के प्रधान बिरजानंद एडवोकेट मुख्य अतिथि रहे। आचार्या डॉ. सूर्या देवी ने कहा कि आर्य समाज ने बेटियों को शिक्षा एवं आत्मसम्मान का अधिकार दिलाया। पद्मश्री आचार्या डॉ. सुकामा ने कहा कि संस्कार ही जीवन का वास्तविक आधार हैं तथा संस्कारित बेटियां सुंदर, स्वस्थ एवं सशक्त समाज का निर्माण करती हैं। स्वामी आर्यवेश ने कहा कि स्वामी इंद्रवेश युवाओं में राष्ट्रभावना, अनुशासन एवं संस्कार जागरण के प्रेरणास्रोत रहे। इस अवसर पर पूर्व विधायक अजीत सिंह एडवोकेट, हवा सिंह एडवोकेट, रामनिवास आर्य एवं स्वामी विजयवेश ने भी अपने विचार रखे। वामी इंद्रवेश की 20वीं पुण्यतिथि पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को "स्वामी इंद्रवेश स्मृति सम्मान" से सम्मानित किया गया। इनमें स्वामी सूर्यवेश (बिजनौर), स्वामी सत्यवेश (शुकताल), आचार्या डॉ. सूर्यदेवी (शिवगंज, राजस्थान), पद्मश्री आचार्या डॉ. सुकामा (रुड़की), वेदपाल आर्य (सनौली), कमलेश शर्मा व विकास आर्य (जयपुर), जगफुल ढिल्लों (जींद), सुरेंद्र यादव (रेवाड़ी), स्वामी मुक्तानंदा (खेड़ला, गुरुग्राम), सुशीला आर्या (हिसार), पूनम आर्या (निंदाना, रोहतक), निधि आर्या (इस्माइला, रोहतक), चौधरी जयसिंह ठेकेदार (गोहाना), चौधरी बदलूराम आर्य (मुकलान), जसवंत देशवाल (झज्जर) तथा डॉ. प्रकाशवीर दलाल (रोहतक) शामिल रहे। प्रवेश आर्या ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नई ओपीडी के कक्ष 266 में मिलेगी स्क्रीनिंग, परामर्श और उपचार संबंधी मार्गदर्शन की सुविधा

पीजीआईएमएस में स्तन कैंसर की अब जल्द होगी पहचान

■ हर बुधवार चलेगा विशेष क्लिनिक, महिलाएं नियमित जांच करवाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महिलाओं में तेजी से बढ़ रहे स्तन कैंसर के मामलों को देखते हुए पंडित भगवत दयाल शर्मा स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (पीजीआईएमएस) ने कैंसर की समय पर पहचान और बेहतर उपचार सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। संस्थान प्रशासन ने नई ओपीडी स्थित चौधरी रणबीर सिंह ओपीडी के कक्ष संख्या 266 में विशेष ब्रेस्ट कैंसर क्लिनिक को और अधिक व्यवस्थित रूप से संचालित करने का निर्णय लिया है।

यह क्लिनिक प्रत्येक बुधवार को कार्य करेगा, जहां मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श, स्क्रीनिंग, जांच तथा उपचार संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

संस्थान के कुलपति डॉ. एच. के. अग्रवाल ने कहा कि पीजीआईएमएस प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों के कैंसर रोगियों को उच्चस्तरीय, आधुनिक और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि कैंसर रोगियों के लिए स्क्रीनिंग, अत्याधुनिक जांच सुविधाएं, कैंसर सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी,पैथोलॉजी और अन्य आवश्यक सेवाएं एक ही परिसर में उपलब्ध हैं। इससे मरीजों को विभिन्न संस्थानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते और उन्हें समग्र कैंसर उपचार एक ही छत के नीचे प्राप्त हो जाता है। कुलपति ने कहा कि कैंसर के खिलाफ लड़ाई में जागरूकता, समय पर जांच और शुरुआती अवस्था में उपचार सबसे प्रभावी उपाय हैं। इसी उद्देश्य से संस्थान लगातार जागरूकता और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर कार्य कर रहा है।

भारतीय महिलाओं में सबसे ज्यादा पाए जाने वाला कैंसर

सर्जरी विभाग की वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. नित्याशा दराल ने बताया कि स्तन कैंसर भारतीय महिलाओं में सबसे अधिक पाया जाने वाला कैंसर बन चुका है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग दो लाख नए मामले सामने आते हैं और अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसकी संख्या बढ़ रही है। यदि बीमारी का पता प्रारंभिक अवस्था में चल जाए तो अधिकांश मरीजों का सफलतापूर्वक उपचार संभव है। उन्होंने महिलाओं से नियमित स्तन स्व-परीक्षण करने, किसी भी प्रकार की गांठ, त्वचा में बदलाव, निप्पल से स्राव या अन्य असामान्य लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लेने की अपील की। पीजीआईएमएस प्रशासन ने विशेष रूप से 40 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं और उच्च जोखिम समूह की महिलाओं से समय-समय पर जांच करवाने का आग्रह किया है, ताकि स्तन कैंसर की शीघ्र पहचान कर प्रभावी उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

शुरूआत पहचान होने पर इलाज जल्दी संभव

चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल ने बताया कि स्तन कैंसर की शुरुआती पहचान होने पर उपचार की सफलता की संभावना काफी बढ़ जाती है। संस्थान का लक्ष्य प्रत्येक मरीज को विशेषज्ञ सलाह, आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं और बेहतर फॉलो-अप सेवाएं उपलब्ध कराना है। पीजीआईएमएस में स्तन कैंसर रोगियों के लिए आधुनिक कैंसर सर्जरी, ब्रेस्ट कंजर्वेशन सर्जरी, संशोधित रेडिकल सर्जरी, ब्रेस्ट रिकंस्ट्रक्शन, इम्प्लांट आधारित पुनर्निर्माण, कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी जैसी उन्नत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

अब मुंह के छालों और धब्बों से पता चलेगा कैंसर है या नहीं

एआई तकनीक से ग्रामीण क्षेत्रों में भी मिलेगी विशेषज्ञ जांच की सुविधा

- पीजीआईडीएस का 'मिडास' बना उम्मीद की नई किरण
- 700 से अधिक मरीजों के डाटा पर आधारित शोध, मोबाइल एप बताएगी कैंसर का कितना खतरा
- आईसीएमआर समर्थित परियोजना पर 65 लाख का निवेश होगा

अलग खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

मुंह में लंबे समय तक रहने वाले छाले, सफेद या लाल धब्बे अब सिर्फ सामान्य परेशानी नहीं माने जाएंगे। पीजीआईडीएस रोहतक की 'मिडास' परियोजना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से यह पता लगाने की दिशा में काम कर रही है कि ऐसे लक्षण कैंसर या कैंसर पूर्व अवस्था का संकेत हैं या नहीं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से चल रही इस परियोजना में 700 से अधिक मरीजों के डाटा और हजारों क्लिनिकल तस्वीरों का विश्लेषण किया जा रहा है। इसी आधार पर एक एआई आधारित मोबाइल एप विकसित की जा रही है, जो संदिग्ध घावों की शुरुआती पहचान कर मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों तक पहुंचाने में मदद करेगी। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में जहां विशेषज्ञ जांच की सुविधा सीमित है, वहां यह तकनीक बड़ी राहत साबित हो सकती है।

रोहतक। कार्यक्रम में मौजूद कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल, कुलसचिव डॉ. रूप सिंह निदेशक डॉ. एसके सिंघल व विभागाध्यक्ष डॉ. माला कांबोज। फोटो : हरिभूमि

अब तक पांच शोध पत्र प्रकाशित

आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित इस परियोजना के तहत अब तक पांच शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। इन शोध पत्रों का इम्पैक्ट फैक्टर 5.5 तक है, जबकि परियोजना के निष्कर्षों को विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किए जाने पर बेस्ट पेपर अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। इस परियोजना का नेतृत्व पीजीआईडीएस के ओरल पैथोलॉजी विभाग की वरिष्ठ प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. माला कांबोज कर रही हैं।

क्या है प्रोजेक्ट

यह प्रोजेक्ट एआई आधारित तकनीक के माध्यम से मुंह के कैंसर और कैंसर पूर्व घावों की शुरुआती अवस्था में पहचान करने की दिशा में कार्य कर रहा है। पीजीआईएमएस के कुलपति डॉ. एच.के. अग्रवाल ने कहा कि यह पहल डिजिटल हेल्थ और कैंसर निदान के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी। यह एआई आधारित तकनीक ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए वरदान सिद्ध हो सकती है। कुलपति डॉ. एच.के. अग्रवाल, कुलसचिव डॉ. रूप सिंह, निदेशक डॉ. एस.के. सिंघल और प्राचार्या डॉ. मनु राठी ने डॉ. माला कांबोज एवं उनकी टीम को इस उपलब्धि दी है।

700 मरीजों पर शोध

डॉ. माला कांबोज ने बताया कि आईसीएमआर ने परियोजना के लिए 65 लाख 92 हजार 853 रुपये की राशि स्वीकृत की है। यह एम्स नई दिल्ली और भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु के सहयोग से संचालित की जा रही है। अब तक 700 से अधिक मरीजों को अध्ययन में शामिल किया जा चुका है और उनका डाटाबेस तैयार कर लिया गया है।

किया जाएगा जागरूक

परियोजना के तहत मरीजों को तंबाकू, गुटखा, बीड़ी और सिगरेट के दुष्प्रभावों के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है। उन्हें नशा छोड़ने के लिए काउंसलिंग दी जाती है, ताकि कैंसर के खतरे को कम किया जा सके। मुंह के कैंसर की शुरुआती अवस्था में पहचान होने पर उपचार अधिक सफल, कम खर्चीला और कम जटिल होता है।

ऐसे तैयार होगा एप

डाटाबेस के आधार पर एआई आधारित मोबाइल एप विकसित की जा रही है, जो मुंह में संदिग्ध घावों की पहचान कर मरीज को विशेषज्ञ चिकित्सक तक रेफर करेगी। इससे निदान में होने वाली देरी कम होगी और समय रहते उपचार शुरू किया जा सकेगा।

हर वर्ष मुंह के कैंसर के 1.77 लाख केस

कुलपति डॉ. एच.के. अग्रवाल ने बताया कि भारत में हर साल मुंह के कैंसर के लगभग 1.77 लाख नए केस मिल रहे हैं। 70% से अधिक मरीज देर से चिकित्सक तक पहुंचते हैं। यदि बीमारी का समय रहते पता चल जाए तो 90 % तक मरीजों की जान बचाई जा सकती है।

यह बरतें सावधानी

यदि मुंह में तीन सप्ताह से अधिक समय तक कोई छाला, सफेद या लाल धब्बा, लगातार जलन अथवा मुंह खोलने में कठिनाई महसूस हो तो तुरंत डेंटल विशेषज्ञ से संपर्क करें।

खबर संक्षेप

ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार घायल, केस दर्ज

रोहतक। सदर थाना पुलिस ने सड़क दुर्घटना के एक मामले में अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला अलेवा निवासी ऋषि पुत्र रामकुमार की शिकायत पर दर्ज किया गया है। पुलिस को दी शिकायत में ऋषि ने बताया कि 11 जून को इलेक्ट्रिक स्कूटी से जा रहा था। मकड़ौली टोल प्लाजा के पास अज्ञात ट्रक चालक ने ट्रक को तेज रफ्तार से स्कूटी में टक्कर मार दी। वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने उसे संभाला और उपचार के लिए मेडिकल अस्पताल में दाखिल कराया। सदर थाना पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पति के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज

रोहतक। पुलिस ने दहेज प्रताड़ना के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला शिव कॉलोनी निवासी रिमझिम पुत्री विनोद कुमार की शिकायत पर दर्ज किया गया है। पुलिस को दी शिकायत में रिमझिम ने आरोप लगाया कि उसकी शादी गांव लाढोत निवासी साहिल कुमावत पुत्र सतबीर सिंह के साथ हुई थी। विवाह के बाद से ही उसका पति दहेज को लेकर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगा। रिमझिम ने बताया कि उसके परिजनों ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार विवाह में पर्याप्त सामान दिया था, लेकिन इसके बावजूद दहेज की मांग लगातार बढ़ती रही। जब उसके परिवार ने और दहेज देने में असमर्थता जताई तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया। पीड़िता की शिकायत पर अर्बन स्टेट थाना पुलिस ने आरोपी साहिल कुमावत के खिलाफ दहेज मांगने, शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न करने सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

कैल्शियम कार्बाइड से पके आम लोगों को कर रहे बीमार

फलों का राजा बिगाड़ रहा सेहत फैला रहा पेट और त्वचा के रोग

- पेट दर्द, उल्टी, दस्त, अपच, फूड प्वाइजनिंग व एलर्जी का खतरा
- बच्चों और युवतियों पर ज्यादा असर, सावधानी से खाएं मैंगो
- दिखने में आकर्षक, सतर्कता बरतें, नहीं तो बढ़ सकता संकट

सिटी पल्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

गर्मियों में फलों के राजा आम का स्वाद हर किसी को लुभाता है, लेकिन बाजार में बिक रहे कई आम अब सेहत के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। चिकित्सकों के अनुसार केमिकल, विशेषकर कैल्शियम कार्बाइड से कृत्रिम रूप से पकाए गए आमों के सेवन के बाद पेट दर्द, उल्टी, दस्त, अपच, फूड प्वाइजनिंग और एलर्जी जैसी शिकायतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। बच्चों के साथ-साथ किशोरियों और युवतियों में भी त्वचा संबंधी समस्याएं, जैसे चेहरे पर फुंसियां, दाने और एलर्जिक रिएक्शन के मामले सामने आ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे आम बाहर से आकर्षक और पूरी तरह पके दिखाई देते हैं, लेकिन कई बार अंदर से कच्चे रहते हैं और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल सकते हैं। बढ़ती मांग के बीच जल्दी मुनाफा कमाने की होड़ में कुछ व्यापारी रसायनों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे लोगों की सेहत पर खतरा बढ़ रहा है। ऐसे में आम खरीदते और खाते समय विशेष सावधानी बरतना जरूरी हो गया है।

फोटो : एआई जेनरेटेड

पीलेपन की सुंदरता पर न जाएं

कुछ व्यापारी आमों को जल्दी पकाने और बाजार में जल्द उतारने के लिए कैल्शियम कार्बाइड नामक रसायन का इस्तेमाल करते हैं। यह रसायन नमी के संपर्क में आने पर एसीटिलीन गैस छोड़ता है, जिससे फल तेजी से पक जाता है। हालांकि ऐसे आम बाहर से पूरी तरह पीले और आकर्षक दिखाई देते हैं, लेकिन कई बार अंदर से कच्चे रहते हैं और उनके पोषक गुण भी प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए इन्हें देखकर ही खरीदें। आम खरीदते समय अत्यधिक चमकदार और एक समान पीले रंग वाले फलों से सावधान रहें। घर लाने के बाद आमों को अच्छी तरह धोकर और कुछ समय पानी में भिगोकर ही सेवन करें।

डाक्टर्स ने किया अलर्ट

चिकित्सकों का कहना है कि बच्चों में ऐसे आमों के सेवन के बाद पेट खराब होने, दस्त, उल्टी और फूड प्वाइजनिंग जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं। वहीं कुछ युवतियों में त्वचा संबंधी परेशानियां भी बढ़ जाती हैं। त्वचा विशेषज्ञों के पास आने वाली कई युवतियां चेहरे पर अचानक निकलने वाली फुंसियों, दानों और एलर्जी की शिकायत करती हैं। ऐसे में डॉक्टर्स ने खानपान की जानकारी लेने के बाद कई बार आम का सेवन बंद करने की सलाह दी है।

हर व्यक्ति की शारीरिक प्रकृति अलग

डाक्टरों का मानना है कि हर व्यक्ति की शारीरिक प्रकृति अलग होती है। कुछ लोगों को आम से कोई परेशानी नहीं होती, जबकि कुछ लोगों में अधिक मात्रा में सेवन करने पर त्वचा और पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याएं उभर सकती हैं। इसलिए संतुलित मात्रा में ही आम खाना चाहिए और विशेष रूप से बच्चों को एक बार में अधिक आम खाने से रोकना चाहिए।

कृत्रिम रूप से पकाए गए आम खतरनाक

आम पोषक तत्वों से भरपूर फल है, लेकिन कृत्रिम रूप से पकाए गए आमों और इनके अत्यधिक सेवन से कुछ लोगों में परेशानी हो सकती है। बच्चों और युवतियों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए तथा किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। प्राकृतिक रूप से पके आमों का सीमित मात्रा में सेवन ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। -डॉ रविंद्र हुड्डा, पीडियाट्रिक्स

पोषण, शिक्षा और सुरक्षा में मॉडल बना रोहतक

1004 आंगनबाड़ी केंद्रों के जरिए 1.21 लाख बच्चों और महिलाओं का डेटा पोषण ट्रैकर एप पर दर्ज

रोहतक। लघु सचिवालय में समीक्षा बैठक लेते उपायुक्त सचिन गुप्ता।

- लर्निंग कॉर्नर, पोषण वाटिका व बाल संरक्षण कार्यक्रमों से किया जा रहा जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग की अभिनव पहलों के चलते रोहतक पोषण, शिक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में मॉडल जिला बनकर उभरा है। उन्होंने लघु सचिवालय में आयोजित मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को बच्चों, महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में लगातार सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने बताया कि 'सुपोषण रोहतक-स्मार्ट पोषण मिशन' के तहत जिले के 1004 आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से 1.21 लाख से अधिक बच्चों, 11,391 गर्भवती महिलाओं और 5,256 धात्री माताओं का डेटा पोषण ट्रैकर ऐप पर दर्ज किया गया है। साथ ही 531 आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण वाटिकाएं विकसित की गई हैं, जहां मौसमी सब्जियां उगाई जा रही हैं।डीसी ने बताया कि सभी केंद्रों में लर्निंग कॉर्नर बनाए गए हैं तथा 'बचपन चौपाल' के माध्यम से हजारों अभिभावकों को जागरूक किया गया है। किशोरियों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता प्रशिक्षण और सेनेटरी पैड इन्सिनेरेटर मशीनें भी स्थापित की गई हैं। बाल संरक्षण और पॉक्सो एक्ट पर जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।

भिवानी स्टैंड पर स्थायी फायर ब्रिगेड तैनात करने की मांग

- डी-पार्क अग्निकांड के बाद व्यापारी दुकानों की सुरक्षा को लेकर सतर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

डी-पार्क अग्निकांड के बाद शहर के व्यापारी अब अग्नि सुरक्षा को लेकर सतर्क हो गए हैं। किला रोड बाजार के प्रधान दीपक पुनियानी ने प्रशासन से मांग की है कि भिवानी स्टैंड पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी स्थायी रूप से तैनात की जाए। उन्होंने कहा कि भिवानी स्टैंड के आसपास किला रोड, शोरी मार्केट और चमेली मार्केट जैसे घने और संकरे बाजार हैं, जहां आग लगने की स्थिति में फायर ब्रिगेड को पहुंचने में कठिनाई हो सकती है। शुक्रवार को किला रोड बाजार में आयोजित बैठक में व्यापारियों ने निर्णय लिया कि सभी दुकानदार अपनी दुकानों में अग्निशमन यंत्र लगाएंगे और आग से बचाव के प्रति जागरूकता अभियान भी चलाएंगे।

रोहतक। मीटिंग को सम्बोधित करते किला रोड बाजार के प्रधान दीपक पुनियानी।

बैंसी गांव के रोड़ी-क्रैशर विक्रेता के साथ 77 हजार की ऑनलाइन ठगी

- एसडीएम कार्यालय से भुगतान भेजने का झांसा देकर दो बार स्कैनर लिंक भेजे गए

लाखन माजरा। लाखन माजरा थाना क्षेत्र के गांव बैंसी में एक क्रैशर विक्रेता से 77 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित दुकानदार जगबीर सिंह ने मामले की शिकायत पुलिस को दी है, जिसके आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।शिकायत के अनुसार, खरक जाटान निवासी जगबीर सिंह की बैंसी बस स्टैंड पर रोड़ी और क्रैशर की दुकान है। उसे एक फोन आया, जिसमें कॉलर ने खुद को निंदाना स्कूल से जुड़ा बताते हुए रोड़ी, क्रैशर और सीमेंट की मांग की। बाद में दूसरे व्यक्ति ने 345 फुट रोड़ी, 345 फुट क्रैशर और 100 कट्टे सीमेंट का ऑर्डर दिया तथा नकद भुगतान का भरोसा दिलाया। कुछ सामान भेजने के बाद तीसरे व्यक्ति ने खुद को एसडीएम कार्यालय महम का कर्मचारी बताते हुए खाते में भुगतान भेजने की बात कही और एक स्कैनर लिंक भेजा। लिंक पर क्लिक करते ही जगबीर के खाते से पहले 26,799 रुपये और फिर दूसरे लिंक पर क्लिक करने से 49,999 रुपये कट गए।जब सामान लेकर पहुंचे व्यक्ति ने स्कूल में संपर्क किया तो वहां कोई सामान लेने नहीं आया। बाद में आरोपियों ने फोन पर धमकी भी दी। पुलिस ने संबंधित मोबाइल नंबरों के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नई अनाज मंडी हत्याकांड का चौथा आरोपी काबू, एक दिन के रिमांड पर

- मृतक मोहित उर्फ मंरिडा की आरोपियों से शराब पीने के दौरान कहासुनी हुई थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

नई अनाज मंडी में दुकान के पीछे युवक का शव मिलने के चर्चित मामले में रोहतक पुलिस ने चौथे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अर्जुन पुत्र रामदीप निवासी बिहार, हाल निवासी गांव बहराणा जिला झज्जर के रूप में हुई है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस प्रवक्ता मनीष कुमार ने बताया कि 6 मई की सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि नई अनाज मंडी स्थित दुकान नंबर 42/43 के पीछे एक युवक का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की और शव को पहचान के लिए पीजीआईएमएस के शवगृह में रखवाया। बाद में मृतक की पहचान मोहित उर्फ मंरिडा पुत्र नवीन निवासी सांपला, हाल किरायेदार राम नगर रोहतक के रूप में हुई। मृतक के भाई सचिन की शिकायत पर थाना शिवाजी कॉलोनी में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच में सामने आया कि वारदात वाली रात मोहित को गीता मार्केट क्षेत्र में देखा गया था। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी नई अनाज मंडी की दीवार के पीछे बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान वहां पहुंचे मोहित के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने उसकी हत्या कर दी। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

मुख्य बाजार, खरखौदा रोड और झज्जर रोड पर कार्रवाई से हड़कंप

अतिक्रमण पर प्रशासन का बड़ा प्रहार, चार जेसीबी के साथ तीसरे दिन भी चला अभियान

- नालों पर बने अवैध निर्माण अवरोध हटाकर जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सांपला

कस्बे को अतिक्रमण और जलभराव की समस्या से स्थायी राहत दिलाने के उद्देश्य से प्रशासन का विशेष अभियान लगातार तीसरे दिन भी पूरे जोर-शोर से जारी रहा। शुक्रवार को कस्बे के विभिन्न हिस्सों में एक साथ चार जेसीबी मशीनें कार्रवाई करती नजर आईं। मुख्य बाजार, खरखौदा रोड और झज्जर रोड पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया, जबकि एक अन्य जेसीबी मलबा और कचरा उठाने के कार्य में लगाई गई। प्रशासन का मानना है कि अभियान पूरा होने के बाद बाजारों में यातायात व्यवस्था सुगम होगी और बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या में भी काफी कमी आएगी।

एसडीएम अंकिता पवार की निगरानी में नगर पालिका की टीम ने मुख्य बाजार में कार्रवाई करते हुए रेहड़ी संचालकों को हटवाया तथा दुकानों के आगे किए गए अस्थायी और स्थायी अतिक्रमण को हटाया। कई स्थानों पर दुकानदारों द्वारा सड़क और नालों तक सामान फैलाया गया था, जिससे आम लोगों, वाहन चालकों और व्यापारिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक मार्गों और जल निकासी व्यवस्था में बाधा बनने वाले किसी भी अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभियान के दौरान नालों के ऊपर बनाई गई अवैध सीढ़ियों और अन्य अवरोधों को भी हटाया गया। उधर, प्रशासन की इस पहल को सामाजिक संगठनों का भी समर्थन मिलने लगा है। भगवान श्री परशुराम सर्व समाज सेवा दल ने सांपला को अतिक्रमण मुक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के लिए एसडीएम अंकिता पवार और नवनियुक्त नगर पालिका चेयरमैन परवीन कोच को सम्मानित करने की घोषणा की है। संस्था के संयोजक जितेंद्र कुलताना ने कहा कि यह अभियान आम लोगों की सुविधा, कस्बे के सौंदर्यीकरण और आपातकालीन सेवाओं के निर्बाध संचालन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

सांपला। जेसीबी से अतिक्रमण पर प्रहार करते हुए। फोटो : हरिभूमि

अभियान जारी रहेगा

अधिकारियों के अनुसार इन अवैध निर्माणों के कारण नालों की सफाई प्रभावित हो रही थी, जिससे बरसात के समय जल निकासी व्यवस्था बाधित होने और जलभराव की आशंका बनी रहती थी। नालों को पूरी तरह खुला रखने और उनकी नियमित सफाई सुनिश्चित करने के लिए यह कार्रवाई की गई है। नगर पालिका की टीम ने विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी मात्रा में मलबा और कचरा भी उठवाया। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में भी अतिक्रमण हटाने और सफाई अभियान जारी रहेगा।

मानसून से पहले चुलियाना दूहन के ग्रामीणों ने मांगा पंपसेट

- तालाबों में भरे पानी की निकासी नहीं होने से ग्रामीण परेशान कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

मानसून के आने से पहले गांव चुलियाना दूहन के लोग शुक्रवार को लघु सचिवालय आए। ग्राम पंचायत की सरपंच अनिता का लिखा पत्र लेकर कुछ ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल ने तत्काल पंपसेट लगाने की मांग की।ग्रामीणों ने बताया कि गांव के तालाबों में काफी मात्रा में पानी जमा है और उसकी निकासी की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई है। अब मौसम विभाग द्वारा जल्द मानसून सक्रिय होने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में यदि समय रहते तालाबों का पानी नहीं निकाला गया तो बरसात के दौरान स्थिति और गंभीर हो सकती है। ग्रामीणों के अनुसार तालाबों का जलस्तर पहले से ही ऊंचा है। आगामी दिनों में होने वाली बारिश से पानी ओवरफ्लो होकर गांव की आबादी वाले क्षेत्रों में प्रवेश कर सकता है। इससे घरों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों में जलभराव की समस्या उत्पन्न होने का खतरा है।

समाधान जरूरी

प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से आग्रह किया कि मानसून शुरू होने से पहले ही स्थायी समाधान की दिशा में कदम उठाए जाएं, ताकि ग्रामीणों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन उनकी मांग पर शीघ्र संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करेगा।

रोहतक। अपनी समस्या के लिए डीसी से मिलने आए गांव चुलियाना दूहन के ग्रामीण।